



5. "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"-कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

एक देश की धरती अपने सुगन्ध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दूसरे देश को भेजकर सद्भावना का संदेश भेजती है। भाव यह है कि जब एक जगह की धरती अपनी भूमि में उगने वाले फूलों की सुगन्ध को, पानी को, बदलों के रूप में भेजते हुए नहीं झिझकती अर्थात् भेदभाव नहीं करती बल्कि समान भाव से अपना प्रेम संदेश भेजती है तो हम मनुष्य क्यों नहीं इस भावना से प्रेरित होकर आपस में सद्भावना बनाए रखते।

1. पक्षियों और बादल की चिड़ियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

उत्तर

पक्षी और बादल की चिड़ियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। मनुष्य इससे बेहद कुछ सीख सकता है। उसे आपस में प्रेम, भाईचारा रखना चाहिए। तथा सभी को सामान रूप से गले लगाना चाहिए।

2. आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इन्टरनेट है। पक्षी और बादल की चिड़ियों की तुलना इन्टरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर

इन्टरनेट एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक बात पहुँचाने का ही सरल तथा तेज माध्यम है। इसके द्वारा हम किसी व्यक्तिगत रायों को जान सकते हैं किन्तु पक्षी और बादल की चिड़ियाँ हमें भगवान का सन्देश देती हैं। पक्षी और बादल प्रकृति के अनुसार काम करते हैं किन्तु, इन्टरनेट मनुष्य के अनुसार काम करते हैं। पक्षी और बादल की भूमिका पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर रखने की होती है किन्तु, इन्टरनेट पर्यावरण को स्वच्छता प्रदान नहीं करता। पक्षी और बादल का कार्य प्रकृति-प्रेमी को प्रभावित करती है किन्तु, इन्टरनेट विज्ञान प्रेमी को प्रभावित करती है।

3. हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका पर दस वाक्य लिखिए।

उत्तर

हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। खाकी पैट और खाकी कमीज़ पहने, कंधे पर खाकी झोला लटकाए जब वह सामने से गुजरता, तो उसकी ओर सबकी दृष्टि अनायास खिंच जाती है। भले ही अब कंप्यूटर और ई-मेल का ज़माना आ गया है पर, डाकिया का महत्व अभी भी उतना ही बना हुआ है जितना पहले था। डाकिया ग्रामीण जन-जीवन का एक सम्मानित सदस्य माना जाता है। डाकिया केवल संदेश-दाता नहीं, अर्थ दाता भी है। डाकिया का कार्य बड़ा कठिन होता है। वह सुबह से शाम तक चलता ही रहता है। डाकिया कम वेतन पाकर भी अपना काम अत्यन्त परिश्रम और लगन के साथ सम्पन्न करता है। गर्मी, जाड़ा और बरसात का सामना करते हुए वह समाज की सेवा करता है। डाकिया एक सुपरिचित व्यक्ति है। उससे हमारा व्यक्तिगत संपर्क होता है। हमें उसपर सहानुभूति दिखानी चाहिए।

***** END *****